कुआँ जीर्णोद्धार में युवकों का सहयोग

सुपौल जिला के सुपौल प्रखंड अर्न्तगत पिपराखुर्द पंचायत है, जो कोषी बांध से सटा हुआ है। इस पंचायत में चार राजस्व गांव है, उसमें से एक राजस्व गांव परसा है, जिसका एक टोला अमठो है, इस टोले की जनसंख्या करीब 300 है। इस टोले में चार जाति के लोग बसते हैं, जो दलित एवं पिछड़े वर्ग के समुदाय हैं। इस टोले में मात्र तीन कुआं है, जिसमें एक कुआं श्री बद्री मंडल के दरवाजे पर अवस्थित है। उसके बगल में प्राथमिक विद्यालय है।

जब मेघ पाईन अभियान के दूसरे चरण का कार्य इस पंचायत में आरंभ हुआ तो अभियान की मुख्य सोच यह थी कि लोगों को सालोंभर शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाया जाय।

इस टोले के रामटोला एवं मंडल टोला में मेघ पाईन अभियान के तहद बैठक का आयोजन किया गया। यहां के लोगों को बताया गया कि आप लोग यदि अपने सहयोग से इस कुआं का उड़ाही करेंगे तो हम अपनी संस्था की तरफ से इस कुआं में चुना, ब्लिचिंग एवं फिटकिरी दे देंगे, तो आपलोग स्वच्छ पानी सालों भर पीऐंगे। इस टोले के अधिक से अधिक लोग कुएं का पानी पीने में उपयोग करते हैं, इसलिये इस टोले के युवकों ने जोष में आकर इन दोनों कुआं का उड़ाही कर डाला। उसमें से एक कुआं तो बंद हो गया लेकिन श्री बद्री मंडल का कुआं चालू ही रह गया। इस टोले के वार्ड सदस्य ने कहा की जितनी बार उड़ाही करनी होगी उतनी बार उड़ाही करेंगे, और कुआं का पानी पीऐंगे। मुख्यतः श्री बद्री मंडल एवं श्री जगदीष प्रसाद मंडल जो कि हमारे मेध पाईन अभियान के प्रचार–प्रसार काफी दूर तक लोगों को वर्षाजल पिला कर किये हैं, इनके परिवार में कुआं के ही पानी का इस्तेमाल किया जाता है, इसलिये कुआं की मरम्मत की बात मेघ पाईन अभियान के तीसरे चरण में आई तो अभियान कार्यकर्ता ने इस कुआं को बनाने का मन बनाया और उस टोले में एक बैठक का आयोजन किया। जिसमें युवकों ने कहा कि हमलोग अपना श्रमदान देकर इस कुआं का जीर्णोद्धार करेंगे। इसी बैठक में इस कुआं को बनाने का निर्णय लिया गया एवं ग्रामीणों ने एक आवेदन दे कर जल्द से जल्द कुआं जीर्णोद्धार करने का आग्रह ग्राम्यषेल से किया। कुछ दिनों के बाद जब इस कुआं के मरम्मत के लिये सामान गिराया गया तो श्री बद्री मंडल के पत्नी का कहना था कि कुआं में जो मिस्त्री, मजदूर लगेगा वह मुझे ही देना होगा, इसलिये मैं अपनी कुआं नहीं बनबाउँगी। उनका कहना यह भी था कि मेरी बेटी शादी करने योग्य हो गई है, उसकी शादी करुंगी या कुआं बनबाउंगी ? लगातार कोई बहाना कर कुआं मरम्मत का कार्य टलता रहा।

मेघ पाईन अभियान द्वारा जब जल व कृषि संवाद यात्रा का आयोजन 05 जून 10 से किया गया तो यात्रा टोली उस टोला पहुंची। ग्रामीणों के साथ संपर्क व बैठक में श्री बद्री मंडल की कुआं मरम्मत की बात पुनः उठी। इस बैठक में गांव के नौजवान, बुढे, बुर्जुग एवं महिलाओं ने एक स्वर से कुआं के जीर्णोद्धार का व्रत लिया। सबने कहा कि बद्री मंडल एवं उनके परिवार को इस कार्य में सहयोग करना चाहिए था। यदि उन्हें दिक्कत थी तो ग्रामीणों को यह बात बतानी चाहिए थी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि संस्था द्वारा जो सहयोग मिलेगा उसके आलावा सारा खर्च ग्रामीण उठाएगा, जो ग्रामीण परिवार आर्थिक रुप से मदद नहीं कर सकेंगे वे श्रमदान करेंगे। इस निर्णय का ग्रामीणें ने पालन किया। खासकर युवकों ने काफी उत्साह दिखया।

अपना श्रमदान दिया। कई युवकों ने श्रमदान के साथ आर्थिक सहयोग भी किया। लोगों को प्रोत्साहन करने में भरपूर सहयोग किया। देखते–देखते कुआं से संबंधित सारा कार्य हो गया। प्रस्तावित योजना तहत मात्र 20 फीट नाला बनाया गया, लेकिन कुआं के उपयाग किये गए पानी का सही प्रबंधन नहीं हो सका और यह पानी सड़क पर आने लगा। फलतः सड़क पर कीचड़ व पानी लगने लगा। इन समस्याओं के निदान हेतु भी ग्रामीण और संस्था मिलकर पहल शुरु कर दिया है, जो नवम्बर 10 के मध्य तक पूरा हो जाएगा।